मालिबू वनाग्नि

[स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया]

हाल ही में, कैलिफोर्निया के मालिबू में फ्रैंकलिन फायर नामक विनाशकारी वनाग्नि के चलते निवासियों को तुरंत क्षेत्र खाली करना पड़ा और सुरक्षित स्थानों पर शरण लेनी पड़ी।

- विशेषज्ञों का मानना है कि फ्रैंकलिन फायर की विनाशकारिता के पीछे "सांता एना" पवनों और जलवायु परिवर्तन की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।
  - **सांता एना** पवनें तब उत्पन्न होती हैं जब **ग्रेट बेसिन (रॉकी पर्वत और सिएरा नेवादा के बीच का क्षेत्र) पर उच्च दाब** तथा **कैलिफोर्निया के तट पर निम्न दाब** के कारण अंतर्देशीय मरुस्थलों से पर्वतों के ऊपर **प्रशांत महासागर** तक तीव्र पवनें चलती हैं।
  - ये पवनें आमतौर पर **अक्तूबर से जनवरी** तक चलती हैं।
- **वनाग्नि:** वनाग्नि प्राकृतिक क्षेत्रों जैसे कि वनों या घास के मैदानों में लगी **अनियंत्रित, अनियोजित आग** है, जो वायु और स्थलाकृति जैसे पर्यावरणीय कारकों के कारण तेज़ी से फैलती है।
- **वनाग्नि के प्रकार:**

//

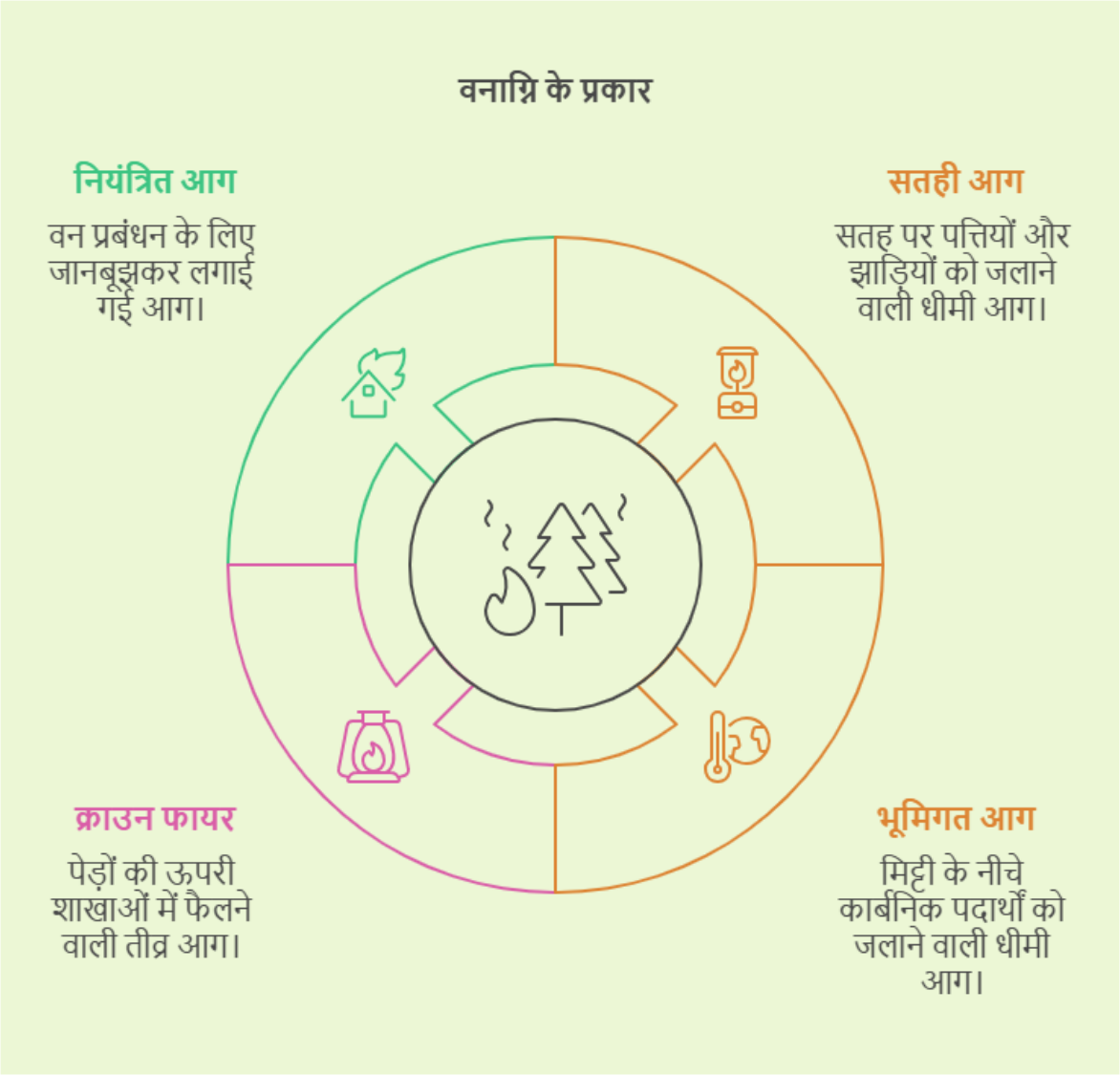

- **भारतीय परिदृश्य:**
  - **भारतीय वन सर्वेक्षण (FSI)** द्वारा जारी **ISFR 2021** के अनुसार, **35.47%** वन क्षेत्र को आग प्रवण के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
    - वनाग्नि की सबसे अधिक घटनाएँ **मिज़ोरम (3,738), मणिपुर (1,702), असम (1,652), मेघालय (1,252)** और **महाराष्ट्र (1,215)** में दर्ज की गई हैं।
  - **सरकारी पहल:**
    - वनाग्नि के लिये राष्ट्रीय कार्य योजना (NAPFF)
    - वनाग्नि निवारण एवं प्रबंधन योजना (FPM)

और पढ़ें: वनाग्नि

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/malibu-wildfire